

CLASS : 12th (Sr. Secondary)

4354/4304

Series : SS-M/2019

Total No. of Printed Pages : **8**

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

HINDI (Elective)
ACADEMIC/OPEN

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

उप परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

- (i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.
- (ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.
- (iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.
- (iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.
- (v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

4354/4304

P. T. O.

- (vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.
 - (vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.
 - (viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.
 - (ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.
 - (x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.
 - (xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.
-

महत्वपूर्ण निर्देश :

- (i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अन्तिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
- (ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।

- (iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुसूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।
- (iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।
- (v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।
- (vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल *Marking Instructions/Guidelines* दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

सामान्य निर्देश :

- (i) मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पूर्व प्रश्न-पत्र से सम्बन्धित पाठ्यपुस्तकों अन्तरा (भाग-2) अंतराल (भाग-2) तथा अभिव्यक्ति और माध्यम अवश्य पढ़ने का कष्ट कीजिए।
 - (ii) शुद्ध एवं प्रसंगानुकूल लेखन की अधिमान देते हुए विषयांतर तथा अशुद्ध उत्तर पर परीक्षार्थी को दण्डित कीजिए।
 - (iii) यहाँ दिए गए उत्तर (बहुविकल्पीय प्रश्नों को छोड़कर) सांकेतिक हैं। परीक्षार्थी द्वारा दिया गया उत्तर शुद्ध एवं सटीक हो तो उसे उसी के अनुसूप अंक दीजिए विषयांतर पर शून्य अंक भी दिया जा सकता है।
1. यह कविताओं पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न है। प्रत्येक सही उत्तर पर एक अंक दीजिए, सही उत्तर है : $1 \times 10 = 10$
- (i) (क) गोरस
 - (ii) (ग) स्नेह
 - (iii) (ख) लोचन

- (iv) (ख) भरत के
- (v) विजया से
- (vi) गोताखोर
- (vii) गंगा नदी पर
- (viii) घोड़ा
- (ix) खण्डवप्रस्थ
- (x) कलेण्डर

2. काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या का मूल्यांकन करते समय प्रसंग तथा विशेष के लिए एक-एक अंक तथा व्याख्या के लिए तीन अंक विचाराधीन रखिए।

5

प्रसंग में कवि, कविता का नाम तथा पूर्वा प्रसंग,

व्याख्या में दिए दिए काव्यांश की व्याख्या

विशेष में दिए गए काव्यांश का भाव, भाषा, अलंकार, छंद

प्रसंग : कवि केशवदास, कविता रामचंद्रिका, अंगद रावण को राम की महिमा बता रहा है।

व्याख्या : श्री राम के वानरों का सागर पार करना, रावण से धनुष द्वारा खीर्ची रेखा पार न कर सकना, हनुमान को नहीं, बाँध सकना, राम द्वारा सागर पर पुल बाँध लेना, हनुमान की पूँछ न जलना पर लंका जल जाना।

विशेष : श्री राम की महिमा एवं रावण की कमियाँ। ब्रजभाषा, यमक, अनुप्रास अलंकार, वीररस, ओज गुण, व्यंग्यात्मकता

अथवा

कवि विद्यापति, कविता पद नायिका नायक के वियोग में संतप्त है, वह नायक को अपनी विरहावस्था से परिचित कराने के लिए पत्र भी नहीं लिख सकती। मैथिली भाषा, अनुप्रास अलंकार, विरहावस्था का करूणापूर्ण चित्रण, गेयता का गुण।

3. कवि के जीवन परिचय, रचनाओं के लिए एक-एक अंक तथा काव्यगत विशेषताओं के लिए तीन अंक विचाराधीन रखते हुए मूल्यांकन कीजिए। 1 + 1 + 3 = 5

जयशंकर प्रसाद : जन्म 1888 ई० में (काशी में) घर पर रहकर हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू व पालि का अध्ययन। भारतीय इतिहास व दर्शन में गहन रुचि। 1937 में मृत्यु।

रचनाएँ :- झरना, आँसू, लहर, कामायनी

नाटक :- अजातशत्रु, चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त, ध्रुवस्वामिनी

उपन्यास :- कंकाल, तितली, इरावती

कहानी संग्रह :- आकाशदीप, आँधी, इन्द्रजाल

काव्यगत विशेषताएँ :- छायावादी काल्पनिकता, सौन्दर्य का सूक्ष्म वित्रण, प्रकृति प्रेम, देश प्रेम मानवीकरण, लाक्षणिकता।

अथवा

घनानंद (रीतिकाल के प्रमुख कवि) जन्म 1673 ई० में, 1760 में मृत्यु।

रचनाएँ : सुजान सागर, विरह लीला, रसकेलि वल्ली आदि।

विशेषताएँ : प्रेम की पीड़ा के कवि, लाक्षणिकता वक्रोक्ति आदि अलंकारों का प्रयोग। साहित्यिक ब्रजभाषा, व्यंजकता।

4. भाव व कला पक्ष स्पष्ट होने पर ही समुचित अंक दीजिए : 4
- कवि ने नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों से रहित लोगों के रास्ते से स्वयं को हटा लिया है वह ऐसे लोगों से प्रतिस्पर्धा नहीं करना चाहता। खड़ी बोली में सहज अभिव्यक्ति, अनुप्रास अलंकार, मिश्रित शब्दावली।

अथवा

नायक के वियोग में नायिका को माहोट की वर्षा की बूँदें ओलों के समान कष्टदायक प्रतीत हो रही है। प्रियतम के वियोग में वह शृंगार भी नहीं कर पा रही। वियोग शृंगार रस में करूण रस की धारा, अनुप्रास, उपमा, रूपक अलंकार, अवधी भाषा, चौपाई छंद।

(6)

4354/4304

5. उत्तर के अनुसार अंक दीजिए, विषयांतर पर शून्य अंक दीजिए। $2 \times 3 = 6$

- (क) मनुष्य में व्यक्तिगत गुण है, फिर भी वह एक है यदि वह समाज में मिल जाए तो समाज व राष्ट्र मजबूत होगा। समाजिक प्राणी होने के नाते वे सभी मिले हुए हैं।
- (ख) राम को अपना स्वामी मानते हैं, राम के सम्मुख कभी मुँह नहीं खोलते, सदा राम के दर्शनाभिलाषी है। उनके चरणों की सेवा करना चाहते हैं।
- (ग) प्रेम का अनुभव अनिर्वचनीय होता है, सदा प्रियतम को देखते रहने पर भी नेत्र तृप्त नहीं होते, उनके स्वर सुनकर श्रवण तृप्त नहीं होते, मिलन की प्रेमक्रीड़ा का मर्म भी नहीं जान पाई, हृदय में प्रियतम के होते हुए भी वह अतृप्त है।

6. यह गद्य पाठों पर आधारित वहुविकलीय प्रश्न है। प्रत्येक सही उत्तर पर **एक** अंक दीजिए अन्यथा शून्य। सही उत्तर है : $1 \times 10 = 10$

- (i) (क) 16 वर्ष
(ii) (क) पाँच
(iii) (ख) शेर
(iv) (ख) तेलुगु
(v) अगस्त्य
(vi) मंगल पंडा
(vii) कृष्ण के शंख का
(viii) खैखार
(ix) 1938 ई० में
(x) कालिदास

7. किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। प्रसंग के लिए **1** अंक, व्याख्या के लिए **3** अंक व विशेष के लिए **1** अंक विचाराधीन रखते हुए मूल्यांकन कीजिए। $1 + 3 + 1 = 5$

4354/4304

‘पाठ सुमिरिनी के मनके’ पाठ के ‘घड़ी के पुर्जे’ निबन्ध लेखक चन्द्रधर शर्मा गुलेरी घड़ी के दृष्टान्त द्वारा धर्म के रहस्यों को जानने पर उपदेशकों द्वारा लगाए गए प्रतिबन्धों को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया है।

व्याख्या : सभ्य होने पर भी रुढ़िवादी होना। प्राचीन रुढ़ियों को त्यागने में ही भलाई है। समय व परिस्थितियों के अनुसार बदलाव आवश्यक है।

विशेष : उद्धरण शैली, खड़ी बोली, तत्सम प्रधान शब्दावली।

अथवा

लेखक राम विलास शर्मा पाठ-यथास्मै रोचते विश्वम् लेखक ने कवि को उसके कर्म के प्रति सचेत किया है।

व्याख्या : - कवि को कर्मरत रहने की प्रेरणा दी है।

विशेष : - खड़ी बोली, तत्सम् शब्दावली, सरल भाषा

8. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए। विषयांतर पर शून्य अंक दीजिए :-

- (क) फारसी के ज्ञाता, हिन्दी की पुरानी कविताओं से प्रेम। नाटकों के शौकीन, राचतिमानस व रामचंद्रिका का पाठ आकर्षक ढंग से करना। फारसी कहावतों का हिन्दी कहावतों से मेल करना। 4
- (ख) कवि पुरोहित के रूप में साहित्यकार समाज को नवीन जीवन दृष्टि प्रदान कर लोकमंगलकारी साहित्य की रचना करता है। 2
- (ग) आँखें बन्द करने पर काम पहले की तुलना में अधिक व अच्छा होने लगा, उत्पादन बढ़ गया। आँखें खोलने पर दण्ड के अधिकारी हो गए। 2
- (घ) मनुष्य को निरन्तर संघर्षशील रहना चाहिए तथा कर्म करते रहना चाहिए। प्रत्येक परिस्थिति का साहसपूर्वक सामना करना चाहिए। कभी विचलित नहीं होना चाहिए। 2

9. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए।

- (क) (i) क्योंकि भिखारियों के लिए धनसंचय करना पाप होता है
 (ii) वह बात को दबाना चाहता था। 2
- (ख) मलवा हटाकर खेती करना, खेतों को ढलानदार बनाना, पानी की समस्या का निदान किया। बर्फ को पानी में बनाने के लिए आग जलाए रखना। 2
- (ग) बरसात की चाँदनी रात में सफेद फूलों से आती खुशबू बिसनाथ को बहुत अच्छी लग रही थी। 2
- (घ) मालवा प्रदेश की सभ्यता और संस्कृति का चित्रण करना, नदी, नालों तालों का प्रदेश अब वर्षा के अभाव से ग्रस्त औद्योगीकरण के खतरे, पर्यावरण असंतुलन। 4

अथवा

औद्योगीकरण के कारण, इससे निकलने वाला धुआँ, विषैली गैसें, नदियों में प्रदूषण, वाहनों से निकलने वाला धुआँ।

10. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए :

$3 \times 5 = 15$

- (क) दूरदर्शन सबसे सशक्त माध्यम है। पढ़े-लिखें व अनपढ़ दोनों लाभ उठा सकते हैं। समाचारों को प्रस्तुत करने का ढ़ग अच्छा होता है। चित्रों का तालमेल इसे प्रामाणिक व तथ्य परक बनाता है।
 - (ख) क्या, कौन, कहाँ, कब, कैसे, क्यों, यह छह ककार होते हैं। समाचार के मुखड़े में क्या, कौन, कहाँ, कब इन चार ककारों का प्रयोग होता है, बाकी दो ककारों का प्रयोग बॉडी में कैसे और क्यों का जवाब दिया जाता है।
 - (ग) विद्यार्थी स्वयं करेंगे। व्याकरणिक अशुद्धियाँ न हो।
-